प्रतिवेदन

प्रेरणा उत्सव मेंटर कार्यशाला

दिनांक: 15 जनवरी, 2024, स्थान : दिल्ली

कार्यक्रम की शुरुआत नवोदय मुख्यालय में एक साक्षात्कार से हुई। मुझे मिलाकर 10 केवि शिक्षकों को प्रतिष्ठित प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम के लिए चुना गया था। कार्यक्रम के प्रारंभ में 15/01/2024 से शुरू होने वाले प्रेरणा उत्सव का सार प्रस्तुत करनेवाली एक मनोरम लघु फिल्म का शो दिखाया गया।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग की संयुक्त सचिव श्रीमती अर्चना शर्मा और श्री विनायक गर्ग, आयुक्त नवोदय विद्यालय समिति द्वारा प्रेरणा उत्सव व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई।उन्होंने प्रेरणा स्कूल में गर्व, शिक्षण के प्रति जुनून और सीखने की खुशी के मूल्यों पर जोर दिया।

अगली सुबह, हम प्रतिभागियों को श्री संजय कुमार आईएएस सचिव (एसईएंडएल) शिक्षा मंत्री के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के लिए शास्त्री भवन, नई दिल्ली में बुलाया गया । इस सत्र के दौरान, हमें अनुभवात्मक शिक्षण के सिद्धांतों के बारे में बताया गया, जिसमें बुनियादी मूल्यों - स्वाभिमान और विनय, शौर्य और साहस, परिश्राम और समर्पण, करुणा और सेवा, विविधता और एकता, सत्यनिष्ठा और शुचिता, नवचार और जिज्ञासा, श्रद्धा और विश्वास, और स्वतंत्रता और कर्तव्य आदि पर ध्यान केंद्रित करते हुए शिक्षा के लिए एक समग्र दृष्टिकोण पर जोर दिया गया| इस ज्ञानवर्धक बैठक के बाद, हम अनुभवात्मक शिक्षण की गहरी समझ और अपनी शैक्षिक प्रविधि में नौ प्रमुख मूल्यों को समाहित / स्थापित करने की प्रतिबद्धता लेकर विदा हुए।सीखने-सिखाने की हमारी प्रेरणा यात्रा जारी है, और हम प्रशिक्षण लेने एवं देने के लिए तत्पर हैं और बुलावे की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

दिनांक : 11/01/2023 – 13/01/2023, स्थान: गांधीनगर गुजरात

प्रेरणा उत्सव मेंटर्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

सशक्तिकरण का हमारा साझा मिशन दो बैचों में 16 सलाहकारों के चयन और प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना से शुरू हुआ । मैंने भी इन चयनित और समर्पित व्यक्तियों के साथ आईआईटी गांधीनगर में 3 दिनों का व्यापक प्रशिक्षण लिया, जिससे हमें सार्थक प्रभाव डालने के लिए आवश्यक कौशल,प्रविधि और कार्यात्मक ज्ञान प्राप्त हुआ।

पहले दिन की शुरुआत वडनगर, नवनिर्मित प्रेरणा स्कूल के स्थान और कक्षाओं के लिए निर्दिष्ट स्थान के ज्ञानवर्धक दौरे से हुई। यात्रा के हिस्से के रूप में, हमने वडनगर के आसपास के ऐतिहासिक संदर्भ की गहरी समझ हासिल करते हुए, आसपास के पुरातात्विक स्थलों का पर्यवेक्षण किया। वडनगर स्कूल भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्कूल के रूप में ऐतिहासिक महत्व रखता है।

दौरे के बाद, हम गांधीनगर में होटल लीला लौट आए, जहां सम्मानित शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ एक बैठक हुई। बैठक ने प्रेरणा उत्सव की आसन्न सलाह के बारे में एक संक्षिप्त लेकिन महत्वपूर्ण चर्चा के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। चर्चा में कार्यक्रम के उद्देश्यों, प्रत्याशित चुनौतियों और प्रभावी परामर्श के लिए रणनीतियों को शामिल किया गया।

अगले दो दिन विशिष्ट व्यक्तियों के प्रभावशाली व्याख्यान से समृद्ध हुए । गांधीनगर में क्रिएटिव लर्निंग सेंटर के प्रमुख प्रोफेसर मनीष जैन ने नवीन शिक्षण पद्धतियों पर अंतर्दृष्टि साझा की। इसके बाद, पद्म श्री पुरस्कार विजेता चम्मू शास्त्री जी, जो संस्कृत बोलो आंदोलन में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं, ने भाषा शिक्षा पर एक अनूठा दृष्टिकोण प्रदान किया। तमिलनाडु के गुरुकुल स्कूल अनादि फाउंडेशन के संस्थापक श्रीमती स्मृति रेखा और श्री आदि नारायण के संबोधन से बहुमूल्य ज्ञान मिला। उनके व्याख्यान से प्रेरणा उत्सव के लोकाचार एवं उसके समग्र शिक्षा पर प्रभाव की समझ मिली । आईआईटी गांधीनगर में मानविकी और सामाजिक विज्ञान की प्रोफेसर श्रीमती अनुराधा चौधरी ने हमें योग और ज्ञान के बुनियादी सिद्धांतों में अंतर्दृष्टि से समृद्ध किया। उनकी विशेषज्ञता ने मन-शरीर कल्याण और प्रभावी शिक्षा के बीच संबंध पर प्रकाश डाला।

इन विविध दृष्टिकोणों को आत्मसात करने के बाद, हम सभी को नौ प्रमुख मूल्यों पर आधारित व्याख्यान प्रदर्शित करने थे। इस अभ्यास का उद्देश्य हमें प्रेरणा उत्सव में छात्रों को सलाह देने के लिए तैयार करना है, यह सुनिश्चित करना है कि हमारा शिक्षण कार्यक्रम के मूलभूत सिद्धांतों के साथ संरेखित हो।

व्याख्यान समाप्त होने के साथ, हम प्रेरणा उत्सव में अपनी शिक्षण भूमिकाएँ शुरू करने के लिए बुलावे की उत्सुकता से प्रतीक्षा करते हुए, अपने गृहनगर की ओर रवाना हो गए।

द्वारा- बी लावण्या

कला शिक्षिका पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय लोनावला